दादा का दरबार सुहाना लगता है

दादा का, दरबार सुहाना, लगता है ॥,
भक्तों का तो, दिल दीवाना, लगता है ॥
पल भर में, मन को, लुभाती है मूर्त ॥,
करुणा का, भंडार प्यारा, लगता है,
दादा का दरबार ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

हमने तो, बड़े प्यार से, पूजा रचाई है,
पूजा में, दादा तेरी, मूर्त सजाई है ॥
मोह माया, लोभ के, काँटों की ये चुभन,
लोभ की, अग्नि में शीतल, है तेरा दर्शन ।

दर्शन दर्शन, दर्शन दर्शन ॥
दर्शन,, तेरा दर्शन, दर्शन,, तेरा दर्शन ॥
दर्शन दर्शन, दर्शन दर्शन ॥
दर्शन, तेरा दर्शन,,, हो, तेरा दर्शन,

नाकोड़ा मंदिर, सुहाना लगता है ॥,
भक्तों का तो, दिल दीवाना, लगता है ।
पल भर में, मन को लुभाती, है मूर्त,
करुणा का, भंडार प्यारा, लगता है,
दादा का दरबार ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

तूँ मेरी मंज़िल, मेरे दिल की, है तूँ धड़कन,
राह में, मेरे पड़ी, पापों की यह उलझन ॥
टूट जाएंगे, ये सारे, कर्म के बंधन,
सतगुर कहते हैं, करलो भाव से वंदन ।

अच्छा ॥। हमको, तुम्हे बुलाना, लगता है,
भक्तों का तो, दिल दीवाना, लगता है ।
पल भर में, मन को लुभाती, है मूर्त,
करुणा का, भंडार प्यारा, लगता है,
दादा का दरबार ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

रंग बिरंगे, फूलों की, लड़ियाँ लगे प्यारी,
दादा जी, तेरी सूरत, हमको लगे प्यारी ॥
हम तेरी, राहों में दादा, खुद विछ जाएंगे,
सारी जिंदगी, दादा तेरी, महिमा गाएंगे ।

अच्छा ॥। हमको, तेरे दर पे आना, लगता है,
भक्तों का तो, दिल दीवाना, लगता है ।
पल भर में, मन को लुभाती, है मूर्त,
करुणा का, भंडार प्यारा, लगता है,

दादा का दरबार ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14662/title/dada-ka-darbar-suhana-lagta-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |